NCERT SOLUTIONS

CLASS - 6TH

aglasem.com

Class : 6th

Subject : Hindi

Chapter : 2

Chapter Name : बचपन

Q1 लेखिका बचपन में इतवार की सुबह क्या-क्या काम करती थीं?

Answer. लेखिका अपना बचपन याद करते हुए बताती है कि उन्हें रविवार की सुबह पहले अपने मोज़ों व स्टॉकिंग को धोने होते थे और अपने जूतों को पालिश करनी होती थी।

Page : 10 , Block Name : संस्मरण से

Q2 'तुम्हें बताऊँगी कि हमारे समय और तुम्हारे समय में कितनी दूरी हो चुकी है।' – इस बात के लिए लेखिका क्या-क्या उदाहरण देती हैं?

Answer. लेखिका कृष्णा सोबती बताती हैं कि हमारे समय और तुम्हारे समय मे कितनी दूरी आ चुकी है। यहाँ तक कि बचपन की दिलचस्पीयाँ भी बदल चुकी हैं। उन दिनों कुछ घरों में ही ग्रामोफ़ोन हुआ करता था आज कल तो हर घर मे रेडियो और टेलीविजन है। हमारे वक़्त की कुल्फी आज आइसक्रीम ने ले ली है।कचोरी समोसा, पेटीज में बदल गया है। शहतूत और फालसे और खसखस के शर्बत कोक और पेप्सी में बदल गए हैं। इस प्रकार हमारे तुम्हारे बीच बहुत कुछ बदल गया है।

Page : 10 , Block Name : संस्मरण से

Q3 पाठ से पता करके लिखो कि लेखिका के चश्मा लगाने पर उनके चचेरे भाई उन्हें क्यों छेड़ते थे।

Answer. चश्मा लगाने की आदत न होने के कारण बहुत अजीब लग रहा था पर लेखिका के पास और कोई रास्ता नही था, पर इसे लगाने के बाद मेरी शक्ल अजीब सी दिखती होगी तभी मेरे भाई मुझे चिढ़ाते थे।र जिससे मुझे खीज़ होती थी।

Page : 10 , Block Name : संस्मरण से

Q4 लेखिका बचपन में कौन-कौन सी चीज़े मज़ा ले-लेकर खाती थीं? उनमें से प्रमुख फलों के नाम लिखो।

Answer. बचपन से ही लेखिका को चाकलेट और चना और अनारदाने का चूर्ण खूब खाती थीं। रसभरी, कसमल और काफ़ल उनके प्रिय फल थे।

Page : 10 , Block Name : संस्मरण से

Q1 लेखिका के बचपन में ग्रामोफ़ोन, घुड़सवारी, शोरूम में शिमला-कालका ट्रेन का मॉडल और हवाई जहाज़ की आवाज़ें ही आश्चर्यजनक आधुनिक चीज़ें थी। आज क्या क्या आश्चर्यजनक आधुनिक चीज़े तुम्हें आकर्षित करती हैं? उनके नाम लिखो।

Answer. आज रॉकेट, मोबाइल, किन्डल, मेट्रो ट्रेन जैसी आधुनिक चीज़े मुझे आकर्षित करती हैं।

Page : 10 , Block Name : संस्मरण से आगे

Q2 अपने बचपन की कोई मनमोहक घटना याद करके विस्तार से लिखो।

Answer. बच्चे स्वयं करें।

Page : 10 , Block Name : संस्मरण से आगे

Q1 सन् 1935-40 के लगभग लेखिका को बचपन शिमला में अधिक दिन गुज़रा उन दिनों के शिमला के विषय में जानने का प्रयास करो।

Answer. उस समय शिमला इतना ज्यादा विकसित नहीं था लेकिन धीरे-धीरे विकास होने लगा था। लेखिका ने अपने बचपन के अधिकांश दिन शिमला में गुजारे थे। शिमला में भी रेस्टोरेंट, मॉल खुलने लगें थे। शिमला पहाड़ियों से घिरा शहर था, छोटी सी चढ़ाई चढ़कर गिरजा मैदान तक पहुंच सकते थे। शिमला रिज पर घुड़सवारी का आनंद था। रिज पर ही माल की दुकानें थी, स्कैंडल पॉइंट था।

Page : 10 , Block Name : अनुमान और कल्पना

Q2 लेखिका ने इस संस्मरण में सरवर के माध्यम से अपनी बात बताने की कोशिश की है, लेकिन सरवर का कोई परिचय नहीं दिया है। अनुमान लगाओ कि सरवर कौन हो सकता है?

Answer. लेखिका ने दो बार सरवर का नाम लिया है। सरवर का नाम लेखिका ने शायद संकेत के रूप में लिया हो। इसके अलावा उस व्यक्ति के लिए अन्य संबोधन का प्रयोग नहीं हुआ है। अतः संभव है कि सरवर कोई पत्रकार या उनका मित्र लेखक रहा होगा जिन्हें वह अपनी जीवनी सुना रही हैं।

Page : 10 , Block Name : अनुमान और कल्पना

Q1 क्रियाओं से भी भाववाचक संज्ञाएँ बनती हैं। जैसे मारना से मार, काटना से काट, हारना से हार, सीखना से सीख, पलटना से पलट और हड़पना से हड़प आदि भाववाचक संज्ञाएँ बनी हैं। तुम भी इस संस्मरण से कुछ क्रियाओं को छाँटकर लिखो और उनसे भाववाचक संज्ञा बनाओ।

Answer. क्रिया-- भाववाचक संज्ञा

जाऊँगी - जाना

पुकारते - पुकार

पहनती - पहनना

चढ़ाई- चढ़ना

बताऊँगी - बताना

गहराना-- गहराई

खींजना-- खीज़

बदलना-- बदलाव

Page : 11 , Block Name : भाषा की बात

Q2 चार दिन, कुछ व्यक्ति, एक लीटर दूध आदि शब्दों के प्रयोग पर ध्यान दो तो पता चलेगा कि इसमें चार, कुछ और एक लीटर शब्द से संख्या या परिमाण का आभास होता है, क्योंकि ये संख्यावाचक विशेषण हैं। इसमें भी चार दिन से निश्चित संख्या का बोध होता है, इसलिए इसको निश्चित संख्यावाचक विशेषण कहते हैं और कुछ व्यक्ति से अनिश्चित संख्या का बोध होने से इसे अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण कहते हैं। इसी प्रकार एक लीटर दूध से परिमाण का बोध होता है इसलिए इसे परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं। अब तुम नीचे लिखे वाक्यों को पढ़ो और उनके सामने विशेषण के भेदों को लिखो —

(क) मुझे दो दर्जन केले चाहिए।

(ख) दो किलो अनाज दे दो।

(ग) कुछ बच्चे आ रहे हैं।

(घ) तुम्हारा सारा प्रयत्न बेकार रहा।

(ड़) सभी लोग हँस रहे थे।

(च) तुम्हारा नाम बहुत सुंदर है।

Answer. (क) मुझे दो दर्जन केले चाहिए: निश्चित संख्यावाचक विशेषण

(ख) दो किलो अनाज दे दो: निश्चित परिमाणवाचक विशेषण

(ग) कुछ बच्चे आ रहे थे: अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण

(घ) तुम्हारा सारा प्रयत्न बेकार रहाः सार्वनामिक विशेषण

(ड़) सभी लोग हँस रहे थे: अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण

(च) तुम्हारा नाम बहुत सुंदर है: गुणवाचक विशेषण

Page : 11 , Block Name : भाषा की बात

Q3 “कपड़ों में मेरी दिलचस्पियाँ मेरी मौसी जानती थीं”। इस वाक्य में रेखांकित शब्द ‘दिलचस्पियाँ!’ और ‘मौसी’ संज्ञाओं की विशेषता बता रहे हैं, इसलिए ये सार्वनामिक विशेषण हैं। सर्वनाम कभी-कभी विशेषण का काम भी करते हैं। पाठ में से ऐसे पाँच उदाहरण छाँटकर लिखो।

Answer. (1) हमारे तुम्हारे बचपन मे बहुत फ़र्क़ हो चुका है।

(2) जहाँ मेरा पहला चश्मा बना था।

(3) हम बच्चे इतवार की सुबह इसी में लगाते।

aglasem.com

(4) मैंने अपने छोटे भाई का टोपा उठाकर सिर पर रखा।

(5) मेरे चश्मा लगाने पे मेरे चचेरे भाई ने मुझे छेड़ा।

Page : 11 , Block Name : भाषा की बात

aglasem.com